



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 14, 1986/पौष 21, 1907

No. 1]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 14, 1986/PAUSA 24, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

स्टेट बैंक ऑफ़ बोक नैर एण्ड जयपुर

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषगी बैंक)

अधिनियम 1959 के अन्तर्गत निर्मित

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1986

संख्या सं० एफ० एण्ड ए०/42/शेक्स/2—स्टेट बैंक ऑफ़ बकानेर
एण्ड जयपुर की पूंजी बढ़ाने की योजना।

1. योजना के लिए स्वीकृति।

बैंक की प्रधिकृत पूंजी 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये
की करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक के पत्र क्रमांक एस बी डी/001259
दिनांक 25 मई, 1985 के माध्यम से भारतीय स्टेट बैंक से अनुमति प्राप्त
कर ली गई है।

बैंक की निर्गमित पूंजी 80 लाख रु० से बढ़ाकर 3 करोड़ 20 लाख
रुपये, जो कि 100 रुपये के पूर्णतः प्रदत्त 3 लाख 20 हजार अंशों में
विभाजित होगी, करने के लिये भारतीय स्टेट बैंक से अनुमति प्राप्त कर
ली गई है।

० निमंत्रण के लिए महत्वपूर्ण तथ्य :

(1) सर्वप्रथम जारी किये जा रहे 2,40,000 प्रतिरिक्त अंशों में
भारतीय स्टेट बैंक अभिधान करनेवाला तत्पश्चात् अन्य अंशधारियों को उनके
अपने-अपने अंशों के प्रति एक शेयर के लिये 3 शेयर के अनुपात में
अभिधान करने के लिये अधिकार प्रदान करने हेतु प्रस्तावित करेगा।

इस शेयरों का भारतीय स्टेट बैंक ने अभिधान कर लिया है एवं इन्हें
भारतीय स्टेट बैंक को प्रति शेयर रुपये 100 के सममूल्य पर अर्बित
किया जा चुका है।

(2) वर्तमान शेयरधारकों को शेयर परिवर्तन की अनुमति होगी
किन्तु वे प्रतिरिक्त शेयरों को लिये आवेदन करने के अधिकारी नहीं
होंगे।

(3) यह प्रस्ताव है कि शेयर वर्ष 1986 से लाभांश के अधिकारी
होंगे।

(4) भारतीय स्टेट बैंक को छोड़कर अन्य धारकों को शेयर आवंटन
पर भारतीय स्टेट बैंक (समनुषगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा
19 के उपबंध लागू होंगे। उक्त धारा नीचे दी जा रही है :—

(1) किसी भी व्यक्ति को उसके 200 से अधिक धारित शेयरों
के प्रति, वे चहे उसके अपने अकेले नाम में हो या किसी
अन्य के साथ संयुक्त नाम में, शेयरधारक के रूप में पंजीकृत
नहीं किया जायेगा या वह 200 से अधिक शेयरों के प्रति
कोई लाभांश पाने का हकदार नहीं होगा और वह केवल
बेचने के अधिकार को छोड़कर इस प्रकार के अधिक शेयरों
के प्रति शेयरधारक के किसी अधिकार का प्रयोग करने का
अधिकार नहीं होगा।

इस उपधारा की व्यवस्थाये निम्नलिखित पर लागू नहीं होंगी :—

- (क) भारतीय स्टेट बैंक
- (ख) राज्य सरकार

- (ग) किसी निाम पर
 (घ) बीमा अधिनियम, 1938 में यथा परिभाषित किसी बीमाकर्ता पर
 (ङ) किसी स्थानीय प्राधिकरण पर
 (च) किसी सहकारी समिति पर
 (छ) किसी मर्यादित अथवा व्यक्तिगत धार्मिक या दार्शनिक न्याम के किसी न्यासी पर एवं
 (ज) किसी वर्तमान बैंक के ऐसे शेयरधारक पर जिसे कि धारा 13 की उपधारा 9 के अन्तर्गत किन्हीं शेयरों का आबंटन हुआ है।

अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 9 निम्न प्रकार है —

यदि किसी वर्तमान बैंक का अधिधारक, तत्स्थानीय तथा बैंक की पंजी में अश्व बटन हेतु आवेदन करता है तो उसे

- (क) तत्स्थानीय नये बैंक में उतने ही अश्व बटन कि जिनके जिनका नये बैंक की उद्भूत पूँजी के 45 प्रतिशत में वही अनुपात है जो कि उसके धारा धारित वर्तमान बैंक (जिसके सबंध में उसे सम्पत्ति की जा रही है) के अश्वों का एवं उस (वर्तमान) बैंक की कुल प्रदत्त पूँजी का है।
 (ख) यदि उपधारा (क) के अन्तर्गत सभी आवेदकों को बटित किये गये कुल अश्वों की सख्या तत्स्थानीय नये बैंक की प्रदत्त पूँजी के 45 प्रतिशत में कम हो तो, इतने अतिरिक्त अश्व बटित किये जायेंगे जितने कि स्टेट बैंक, अधिनियम की धाराओं के अन्तर्गत, मामले की परिस्थिति को देखते हुए, अश्वों के यथामुल्य व्यापक बटन हेतु निर्धारित करता है।

2 उपधारा (1) में दो गई बातों के बावजूद भी स्टेट बैंक के अलावा कोई अन्य व्यक्ति, जिसके पास निर्गमित पूँजी के एक प्रतिशत से अधिक शेयर हों, उन अतिरिक्त शेयरों के लिये वोट देने का अधिकारी नहीं होगा।

3. निर्गम कार्यक्रम

- (क) अन्तरण पुनर्गठन की बन्दी 1-2-1986 से 15-2-86
 (ख) निर्गम प्रारम्भ होने की तिथि 1 मार्च, 1986
 (ग) निर्गम बंद होने की तिथि 28 मार्च, 1986
 (घ) अधिकारों के विखंडन की अंतिम तिथि: 15 मार्च, 1986

4. आवेदन स्वीकृति होने के स्थान

उपयुक्त तिथियों पर निम्नलिखित बैंकों की सबंध शाखाओं पर आवेदन स्वीकार किये जायेंगे।

- (क) स्टेट बैंक ऑफ़ वीक नेर एण्ड जयपुर। अ.गरा (बेलनगज), अजमेर (स्टेशन रोड), अहमदाबाद (देवकीनदन मर्केंट), अलवर (बस स्टैंड), बालौर (राधानगर), बम्बई (पी एम रोड), बीकानेर (पब्लिक पार्क), कलकत्ता (नेताजी सुभाष रोड), कोयम्बटूर, एनकुलम, गौहाटी, गंगानगर, इन्दौर, जयपुर (एस एम एस हिल्स), जोधपुर (सोजती रोड), जैसलमेर, कानपुर (बिरहाना रोड), लखनऊ, लुधियाना, मद्रास (ब्राडवे), नागपुर, पटना (मुख्य), भोपाल (टी टी नगर), चण्डीगढ़, दयपुर (चेतक सर्कल), नई दिल्ली (कनॉट सर्कस) वाराणसी, पुणे (लक्ष्मीरोड), सिकन्दरगढ़।

- (ख) स्टेट बैंक ऑफ़ इन्दौर जदलपुर (सुभाष मार्ग)
 (ग) स्टेट बैंक ऑफ़ पटियाला जम्मू
 (घ) स्टेट बैंक ऑफ़ त्रावणकोर माला, मद्रास, त्रिवन्द्रम
 5. योजना का उद्देश्य

बैंक को निर्गमित पूँजी बढ़ाने का उद्देश्य यह है कि पंजीयन विधियों तथा जनशक्तियों में तराजमान विविध और स्थानीय अर्थव्यवस्था में समुचित तादत्त्य हो सके।

जयपुर, 14 जनवरी, 1986

STATE BANK OF BIKANER AND JAIPUR [Incorporated under the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959]

New Delhi, the 14th January, 1986

Ref. No. F&A/42/Shares/2.—Scheme for augmenting the Share Capital of State Bank of Bikaner and Jaipur.

1. Sanction for the scheme :

Permission of the State Bank of India has been obtained to increase the authorised capital of the bank from Rs.1 crore to Rs. 10 crores vide State Bank of India letter No. SBD/001259 dated the 25th May, 1985.

Permission of the State Bank of India has also been obtained for increasing the issued and paid up capital of the Bank from Rs.80 lacs to Rs.320 lacs divided into 3,20,000 fully paid up shares of Rs. 100/-each.

2. Salient features of the Issue:

- (i) State Bank of India will subscribe for 2,40,000 additional shares of Rs.100/-each at par being issued in the first instance and then other to the other shareholders the shares in the ratio of 3 shares for every share held as on the record date (Since subscribed by and allotted to S.B.I.)
 (ii) The right of renunciation will be allowed to the existing shareholders, but shareholders will not be entitled to apply for additional shares, so offered by S.B.I.
 (iii) It is proposed that the shares will be entitled to the dividend for the year 1986 onwards.
 (iv) The allotment of shares to shareholders other than State Bank of India would be governed by the provisions of Section 19 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 which is reproduced below :

“(1) No person shall be registered as shareholder in respect of any shares in a subsidiary bank held by him. Whether in his own name or jointly with any other person, in excess of two hundred shares, or be entitled to payment of any dividend on the excess shares held by him, or to exercise any of the rights of a shareholder in respect of such excess shares otherwise than for the purpose of selling them :

Provided that nothing contained in this sub-section shall apply to :—

- (a) the State Bank;
- (b) a State Government;
- (c) a Corporation;
- (d) an insurer as defined in the Insurance Act, 1938.
- (e) a local authority;
- (f) a cooperative society;
- (g) a trustee of a public or private religious or charitable trust;
- (h) a shareholder of an existing bank who is allotted any shares under sub-section(9) of section 13.

(2) Notwithstanding any thing contained in sub-section (1) no person referred to in the proviso to that sub-section, other than the State Bank, shall be entitled to exercise voting rights in respect of any shares held by such person (in excess of one percent) of the issued capital of the subsidiary bank concerned."

Sub-section (9) of Section 13 of the Act reads as under :—

"A shareholder of an existing bank who has applied for shares in the capital of the corresponding new bank shall be allotted :

- (a) such number of shares, having such total face value as would bear to forty-five percent of the issued capital of the corresponding new bank the same proportion as the paid-up value of his shares in the capital of the existing bank in respect of which he is paid compensation bears to the total paid-up capital of that bank; and
- (b) if the total number of shares allotted under clause (a) to all applicants is less than forty-five percent of the issued capital of the corresponding new bank, such number of additional shares as the State Bank may deem

fit having regard to the provisions of this Act, the circumstances of the case and the desirability of securing as wide a distribution of shares among as large a number of shareholders as possible."

3. Issue Programme:

- (a) Closure of Transfer Books 1-2-86—15-2-86
- (b) Issue to open on : 1-3-86.
- (c) Issue to close on : 28-3-1986.
- (d) Last date for splitting of rights. : 15.3.86.

4. Place of Acceptance of applications :

The applications will be accepted by following banks at their branches as mentioned below :

SBBJ : Agra (Belanganj) Ajmer (Station Road), Ahmedabad (D.N. Market), Alwar (Bus Stand), Bangalore (Gandhi Nagar), Bombay (P.M. Road), Bikaner (Public Park), Calcutta (N.S. Road), Coimbatore, Ernakulam Gauhati, Ganganagar (Main), Indore, Jaipur (SMS Highway), Jodhpur (Sojati Gate), Jaisalmer, Kanpur (Birhana Road), Lucknow, Ludhiana, Madras (Broadway), Nagpur, Patna (Main), Bhopal, Chandigarh, Udaipur (Chetak Circle), New Delhi (Connaught Circus), Varanasi, Pune (Laxmi Road), Secunderabad (R.P. Road).

SB Indore : Jabalpur (Main branch)

SB Patiala : Jammu

SB Travancore : Mangalore, Madurai, Trivandrum.

5. Purpose of the Scheme

Purpose of augmenting the issued capital of the bank is to properly align the ratio of 'Capital funds' to deposits in other accounts as also 'Capital funds' to fixed assets.

J. P. KUNDRA, Managing Director

